

## प्रदेश के 44 हजार प्राइमरी वदियालयों को नपुिण वदियालय का दरजा

### चर्चा में क्यों?

19 मार्च, 2023 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश की बेसकि शकिषा के स्तर को सुधारने के लयि राज्य सरकार ने बेसकि शकिषा वभिग को नया लक्ष्य दया है, जसके तहत इस साल के अंत तक प्रदेश में 44 हजार प्राइमरी वदियालयों को नपुिण वदियालय का दरजा हासलि करना होगा ।

### प्रमुख बदि

- वदिति है कि मुख्यमंत्री योगी आदतियनाथ द्वारा बीते दनिों की गई समीक्षा में इस लक्ष्य को हासलि करने के नरिदेश दयि गए थे ।
- उल्लेखनीय है कि नपुिण भारत मशिन का उद्देश्य यह तय करना है कि देश में प्रत्येक बच्चा अनवार्य रूप से 2026-27 तक ग्रेड 3 के अंत तक मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता प्राप्त कर ले ।
- यह मशिन, जसिे समग्र शकिषा की केंद्र प्रायोजति योजना के तत्वावधान में शुरू कया गया है, स्कूली शकिषा के मूलभूत वर्षों में बच्चों तक पहुँच प्रदान करने और उन्हें स्कूल में बनाए रखने पर ध्यान केंद्रति करेगा ।
- बेसकि शकिषा वभिग को दयि गए नरिदेशों के अनुसार प्रत्येक एआरपी (एकेडमकि रसोर्स परसन) को दसिंबर तक 10 स्कूलों को नपुिण बनाना होगा । इस तरह इस वर्ष के अंत तक ही 44 हजार से ज्यादा स्कूलों को नपुिण बनाना लक्ष्य है ।
- इसी तरह शकिषक संकुलों के लयि जुलाई 2023 तक अपने स्कूलों को नपुिण बनाना अनवार्य होगा । इसके माध्यम से 41 हजार से ज्यादा स्कूलों को नपुिण बनाने का लक्ष्य है ।
- इसके अलावा राज्य के प्रत्येक ज़िले में कम से कम एक ब्लॉक को भी नपुिण बनाने के नरिदेश दयि गए हैं । इस तरह दसिंबर 2023 तक 75 ब्लॉक को नपुिण बनाने का लक्ष्य तय कया गया है ।
- नरिदेशों के साथ-साथ टूलकटि भी तय की गई है । इसके तहत नरिदेशकिा में उल्लेखति लेसन प्लान को 100 प्रतिशत कक्षाओं में लागू करना होगा । नपुिण तालकिा के द्वारा 100 प्रतिशत स्कूल बेसड असेसमेंट पूरण करना होगा ।
- इसके अलावा मॉटरस के द्वारा स्पॉट असेसमेंट कया जाएगा, जबकि डायट स्ट्रुडेंट्स द्वारा स्पॉट असेसमेंट सुनिश्चति कया जाएगा ।